वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 282 बुधवार 11 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधानसभा में की भाजपा विधायक दल की बैठक

सरकार ने विधायकों द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा किया

जयपुर. कासं

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भाजपा के विधायकों की बैठक राजस्थान विधानसभा के लॉबी में की बैठक के दौरान उन्होंने विधानसभा सत्र में विधायकों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें अपने आचरण व जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा कि उनके कार्यों पर जनता लगातार नजर रखती है, जिसे उन्होंने तीसरी आंख द्वारा देखे जाने के समान बताया। शर्मा ने कहा कि सरकार ने विधायकों द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा किया है और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने मंत्रियों को निर्देश दिया कि अगले पांच वर्षों में वे सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करें और इन दौरों के दौरान 8 से 10 घंटे जनता के साथ सीधे संवाद करें, ताकि जमीनी स्तर की समस्याओं को समझा जा सके। सरकार के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग दो साल पूरे होने के बावजूद सरकार को सत्ता विरोधी रुझान का सामना नहीं करना पड़ रहा है। मंगलवार को विधानसभा के बजट सत्र का अंतिम दिन है। चर्चा के बाद महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी विधेयक, 2026 भी पारित किया जाएगा। वहीं, राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026, जिसका उद्देश्य पंचायती राज चुनावों में दो-बच्चों की शर्त को हटाना है, सोमवार को ही विधानसभा से पारित हो चुका है। मंगलवार को विधानसभा में राजस्थान नगर पालिका (संशोधन) विधेयक, 2026 भी पारित होने की संभावना है, जिसके जरिए स्थानीय निकाय चुनावों में दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों के चुनाव लड़ने पर लगी पाबंदी हटाई जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्टी सदस्यों से आने वाले राजस्थान दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील भी की। उन्होंने बताया कि समारोह की शुरूआत स्वच्छता अभियान से होगी, इसके बाद विकसित रन आयोजित की जाएगी। राजस्थान दिवस पर राज्यभर में कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें स्कूलों में निबंध प्रतियोगिताएं, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट प्रदर्शनी, आदिवासी कला प्रदर्शनी और युवा शक्ति मेला शामिल हैं। कार्यक्रम में उद्योगपतियों के साथ बातचीत, किसान सम्मेलन और मंदिरों में आरती भी शामिल होगी। जयपुर में समारोह का समापन सांस्कृतिक संध्या और आतिशबाजी के साथ किया जाएगा।

वैश्विक स्तर पर चमकी राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की आभा

ज्ञान और शक्ति का संगम: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का 18वां स्थापना दिवस संपन्न

नए पाठ्यक्रमों और शोध नवाचारों के साथ विकास की नई उड़ान

अजमेर/किशनगढ़. कासं

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में '18वें स्थापना दिवस' और 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञान, संस्कृति और नारी शक्ति का एक भव्य उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद जोशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने की। मुख्य अतिथि प्रो. सच्चिदानंद जोशी ने विश्वविद्यालय को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जैसे 18 वर्ष की आयु नागरिक अधिकारों और परिपक्वता का प्रतीक है, वैसे ही अब यह विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण में अपनी गंभीर भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने शिक्षण के क्षेत्र में आ रहे बदलावों पर जोर देते हुए कहा, ''दुनिया की कोई भी तकनीक कभी शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती।'' उन्होंने कृत्रिम मेधा के संतुलित उपयोग की वकालत की ताकि मानवीय रचनात्मकता प्रभावित न हो। उन्होंने प्रगति के लिए चार मूल मंत्र—समर्पण, रचनात्मकता, संतोष और करुणा दिए। कुलपति प्रो. आनंद भालेराव की पहल पर आरंभ हुए 'जीवन साधना गौरव पुरस्कार' से इस वर्ष पद्म सम्मान हेतु नामांकित भपंग वादक गफरुदीन मेवाती जोगी और अलगोजा वादक तगा राम भील को सम्मानित किया गया। उन्हें 51,000 रुपये की सम्मान राशि, स्मृति चिह्न और श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की गई। दोनों कलाकारों की लोक प्रस्तुति ने सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया।

<u>अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में तीन श्रेणियों में उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया:</u>

सामाजिक प्रभाव: चंद्रकला शर्मा (निदेशक, एकल नारी शक्ति संस्थान)

नारी शक्ति और लोक संस्कृति का उत्सव: महिला उत्कृष्टता और जीवन साधना गौरव पुरस्कार वितरित

वैज्ञानिक शोध: प्रो. सुष्मी बदुलिका (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद)

उद्यमिता: प्रो. अंशु डांडिया (सौर ऊर्जा तकनीक क्षेत्र)

इन सभी विभूतियों को 51,000 रुपये का धनादेश और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित अतिथि स्वाति गोयल शर्मा ने महिला अधिकार आंदोलनों का स्मरण कराते हुए महिलाओं को सत्य और नैतिकता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

महिला दिवस पर जीतो लेडीज विंग की कार रैली, थैलेसीमिया व कैंसर जागरूकता का दिया संदेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) भीलवाड़ा चैप्टर की लेडीज विंग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को कुमुद विहार स्थित वैदिक गार्डन से थैलेसीमिया एवं कैंसर के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भव्य कार रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ चैप्टर चेयरमैन मीठालाल सिंघवी, चैप्टर सचिव मनीष जैन, लेडीज विंग चेयरपर्सन नीता बाबेल, लेडीज विंग सचिव अर्चना पाटोदी, यूथ विंग चेयरमैन सिद्धार्थ अजमेरा, सिद्धार्थ कावड़िया, डीएसपी शिल्पा भादविया, डॉ. विनीता जैन तथा गौतम दुग्गड़ द्वारा दीप प्रज्वलन एवं नवकार मंत्र के साथ किया गया। लेडीज विंग चेयरपर्सन नीता बाबेल ने बताया कि कार रैली कुमुद विहार से प्रारंभ होकर सोलंकी टॉकीज रोड, बड़ला चौराहा, गर्ल्स कॉलेज, सूचना केंद्र, रेलवे स्टेशन, कोर्ट सर्किल होते हुए ओवरब्रिज से चित्तौड़गढ़ रोड मार्ग से गुजरते हुए सुजुकी एन्क्लेव स्थित 'द तामिल भवन' पर सम्पन्न हुई। कार रैली में महिलाओं ने लाल रंग के ड्रेस कोड के माध्यम से भारतीय संस्कृति के साथ ऊर्जा, शक्ति, साहस और प्रेम का संदेश दिया, वहीं पुरुषों ने सफेद रंग के ड्रेस कोड के माध्यम से शांति, सत्य, पवित्रता, ज्ञान और एकता का प्रतीक प्रस्तुत किया। नीता बाबेल एवं अर्चना पाटोदी ने बताया कि रैली का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा थैलेसीमिया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के बारे में आमजन को जानकारी देना है, ताकि समय रहते जांच और सावधानी के माध्यम से इन बीमारियों की रोकथाम की जा सके। कार्यक्रम के अंतर्गत

विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें डॉ. विनीता लोढ़ा ने कैंसर जागरूकता विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कैंसर के प्रति जागरूकता, रोकथाम और शुरूआती जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, धूम्रपान से दूरी बनाए रखने, संतुलित आहार लेने, नियमित व्यायाम करने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं गौतम दुग्गड़ ने थैलेसीमिया रोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक आनुवंशिक रक्त रोग है। गंभीर स्थिति में

बच्चों में शारीरिक विकास रुकना, हड्डियों में विकृति तथा पेट में सूजन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। उन्होंने विवाह पूर्व थैलेसीमिया जांच को इस बीमारी की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। इस अवसर पर अपेक्स डायरेक्टर निश्चल जैन, कोषाध्यक्ष प्रतीक कावड़िया, निशांत जैन, सुशील कुमार डांगी, सम्पत लाल जैन, महावीर बाबेल, ललित डोसी, ललित बाबेल, नरेश पाटोदी, राजेन्द्र बाबेल, लोकेश कुमार अजमेरा, विनोद सिंघवी, संतोष देवी सिंघवी, संगीता बाबेल, मंजू पोखरना, पुष्पा गोखरू, जयवंती अजमेरा, शिवाली रारा, नीतू चोरड़िया, अमिता बाबेल, रंजनी सिंघवी, वनिता बाबेल, प्रीति जैन, मेघना जैन, सरिता शाह, निकिता पाटोदी, लाड़ मेहता, सुरभि जैन, प्रतीक शाह, अंशुल जैन, प्रियांश जैन शाह सहित जीतो, यूथ विंग एवं लेडीज विंग के बड़ी संख्या में सदस्यों ने कार रैली में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के प्रायोजकों में द तामिल भवन, 1975, द डाबा, पिंड द स्वाद तथा महूल रारा टूर एंड ट्रैवल्स का सहयोग रहा, जिसके लिए जीतो लेडीज विंग ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गणेश प्रसाद वर्णी की जन्मस्थली पर बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ

सहजानंद वर्णी की जन्मभूमि पर भी बनेगा भव्य स्मारक

सागर. शाबाश इंडिया

वर्णी विकास सभा के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं रंग पंचमी के पावन अवसर पर, वर्णी जन्मभूमि स्मारक वर्णीपुरम (हंसेरा) में 'बाल संस्कार केंद्र' की स्थापना की गई। इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य पी.सी. जैन और विशिष्ट अतिथि के रूप में निवाड़ी की उप-जिलाधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) विनीता जैन तथा छत्तीसगढ़ में नवनियुक्त न्यायाधीश अपूर्वा सिंघई उपस्थित रहीं।

संस्कारों की नई पौध

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और संस्कार केंद्र के नन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण मुख्य संयोजक चंद्रेश शास्त्री ने दिया। मंचासीन अतिथियों का सम्मान शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। मुख्य अतिथि प्राचार्य पी.सी. जैन ने कहा, जिन्होंने देशभर में 100 से अधिक पाठशालाओं, महाविद्यालयों और गुरुकुलों की स्थापना की, उनकी जन्मस्थली पर पहली बार संस्कार केंद्र का खुलना पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। उप-जिलाधिकारी विनीता जैन ने इसे अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि बच्चों की संस्कार पाठशाला के शुभारंभ में सहभागिता करना उनके लिए अत्यंत सुखद अनुभव है। वहीं,

नवनियुक्त न्यायाधीश अपूर्वा सिंघई ने भावुक होते हुए कहा कि उनके दादाजी ने वर्णी द्वारा स्थापित विद्यालय में शिक्षा ग्रहण की थी और आज उन्हें उनकी जन्मभूमि पर सेवा का अवसर मिला है।

भावी योजनाएं

विकास सभा के महामंत्री कैलाश जैन टीला ने आगामी योजनाओं की घोषणा करते हुए बताया कि हंसेरा के इस स्मारक के पश्चात, पृथ्वीपुर (टुमटुमा) में गणेश प्रसाद वर्णी के शिष्य सहजानंद वर्णी की जन्मस्थली पर भी भव्य स्मारक का निर्माण किया जाएगा। ज्ञात हो कि सहजानंद वर्णी ने 500 से अधिक ग्रंथों की रचना कर समाज को नई दिशा दी थी।

सांस्कृतिक रंग

रंग पंचमी के अवसर पर सभी उपस्थित जनों को गुलाल लगाकर और मिष्ठान वितरण कर पर्व की खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक मनीष विद्यार्थी ने किया। समारोह में करोड़ी लाल जैन, विनोद जैन, डी.के. सराफ, अजित जलज सहित अनेक गणमान्य नागरिक और संस्कार केंद्र की शिक्षिका रुक्मणी उपस्थित रहीं।

रक्तदान शिविर और महिला सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक के पावन उपलक्ष्य में राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में एक भव्य रक्तदान शिविर और महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जयपुर के मंगलम आनंदा स्थित नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला।

रक्तदान से मानवता की सेवा

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र अनावरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष पदम कुमार जैन ने बताया कि पिछले दो वर्षों से निरंतर इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष इसकी बागडोर युवा मंडल ने संभाली, जिनके प्रयासों से जैन और जैनेतर समाज के रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 28 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के पदाधिकारियों ने पधारकर समाज का मनोबल बढ़ाया और संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी साझा की।

नारी शक्ति का सम्मान और पर्यावरण संदेश

08 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस होने के कारण कार्यक्रम में 'नारी शक्ति' को भी नमन किया गया। महिला समिति और मंदिर समिति द्वारा उपस्थित महिलाओं का विशेष सम्मान किया गया। इस उत्सव को और अधिक सार्थक बनाने के लिए मंदिर समिति ने प्रत्येक महिला को एक-एक पौधा भेंट किया। इस अनूठी पहल के माध्यम से समाज को पर्यावरण शुद्ध रखने और प्रकृति के संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया गया।

कृतज्ञता ज्ञापन

युवा मंडल के अध्यक्ष कमलेश जैन और अर्पित गोदीका ने सभी रक्तदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में मंदिर समिति ने रक्त संग्रहण के लिए पधारे चिकित्सक दल और चिकित्सा कर्मियों का भी सम्मान किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति जैन समाज की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलने से ही जीवन में समरसता संभव : प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

अहिंसा भवन में संतों की भव्य अगवानी, श्रद्धालुओं ने श्रद्धा-भाव से किया अभिनंदन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शास्त्री नगर स्थित अहिंसा भवन में सोमवार को आयोजित विशाल धर्मसभा में प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने कहा कि यदि जीवन में शांति चाहिए तो उसका आधार अहिंसा ही है। जहाँ अहिंसा का भाव होता है, वहीं वास्तविक शांति का उदय होता है। उन्होंने कहा कि शांति केवल शब्दों से नहीं आती, बल्कि उसे अपने आचरण और व्यवहार में उतारना पड़ता है। व्यक्ति, परिवार और समाज की उन्नति तभी संभव है जब उनमें एकता, सौहार्द और सहयोग की भावना हो। जब मनुष्य अहिंसा, संयम और सद्भाव को जीवन में अपनाता है, तब समाज में स्थायी शांति का वातावरण निर्मित होता है। उपप्रवर्तक अमृत मुनि ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य का जीवन अत्यंत मूल्यवान है, किंतु एक छोटा-सा प्रमाद भी उसे पतन की ओर ले जा सकता है। इसलिए जीवन में सजगता और सावधानी आवश्यक है। जो व्यक्ति प्रमाद से दूर रहता है, वही अपने जीवन को सही दिशा दे पाता है और आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ता है। डॉ. वरुण मुनि महाराज ने जीवन की वास्तविकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि व्यक्ति शांति प्राप्त करना चाहता है तो उसे शांति के कार्य करने होंगे। उन्होंने कहा कि यदि हम जीवन में बाग नहीं लगा सकते तो कम से कम आग भी नहीं लगानी चाहिए। शांति का सूत्र बाहर नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर ही निहित है। जब व्यक्ति अपने अंतर्मन को संयम, करुणा और सद्भाव से भरता है, तब उसके जीवन में सच्ची शांति का अनुभव होता है। धर्मसभा के दौरान युवाप्रणेता महेश मुनि एवं बालयोगी अखिलेश मुनि ने भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं के मन में भक्ति और आत्मचिंतन की भावना जागृत की। अहिंसा भवन के मंत्री कानसिंह चौधरी ने बताया कि धर्मसभा से पूर्व प्रवर्तक सुकन मुनि, उपप्रवर्तक अमृत मुनि सहित संत मंडल के कुमुद विहार से अहिंसा भवन पधारने पर श्रीसंघ की ओर से भव्य अगवानी की गई। इस अवसर पर श्रीसंघ अध्यक्ष अजय सांड, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाजेड़, दिनेश बंब, अशोक पोखरणा, लक्ष्मण सिंह बाबेल, कुशल सिंह बूलिया, अशोक गुगलिया, प्रदीप चोरड़िया, ज्ञानचंद मोदी, हेमंत आंचलिया, शांतीलाल कांकरिया सहित अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने संतों का अभिनंदन किया। इस दौरान चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा संजूलता बाबेल, सुशीला छाजेड़, प्रियदर्शना सांड, मंजू बंब, पूर्व सभापति मंजू पोखरणा, पुष्पा गौखरू सहित महिला मंडल की सदस्याओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर संतों के प्रति श्रद्धा और भक्ति का भाव प्रकट किया। धर्मसभा में शांति भवन के संरक्षक नवरतनमल बंब, कंवरलाल सूरिया, नवरतनमल भलावत, नरेन्द्र भंडारी, गोवर्धन सिंह कावड़िया, कुलदीप सिंह डांगी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर में डॉ. वरुण मुनि के वर्षीतप तपस्या के उपलक्ष्य में शास्त्री नगर चंदनबाला महिला मंडल द्वारा चौबीसी का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर मंगल गीत गाए और तपस्या के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर आयोजित गौतम प्रसादी के लाभार्थी अहिंसा भवन के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाजेड़, दिनेश बंब एवं अजय सांड का भी शब्दों के माध्यम से स्वागत किया गया।

दुनिया

आभासी जगत से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

ललित गर्ग

सूचना क्रांति के इस युग में मानवीय जीवन की गति और स्वरूप में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का एक बड़ा भाग अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस बदलाव ने जहाँ अनेक सुविधाएँ प्रदान की हैं, वहीं बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक और भावनात्मक विकास के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में, भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक मंचों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने आगामी बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग द्वारा अंतर्जाल आधारित सामाजिक मंचों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश ने भी तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा इन मंचों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने की घोषणा की है। ये निर्णय केवल प्रशासनिक आदेश भर नहीं हैं, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक चिंता का हिस्सा भी हैं। विश्व के अनेक देशों, जैसे ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस में भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर ऐसे ही कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में, पिछले कुछ वर्षों में बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि आभासी मंचों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक विकास पर घातक प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, एकाग्रता का अभाव, चिड़चिड़ापन और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर निरंतर तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के कोमल मन में हीनता और असंतोष की भावना जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार के नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया गया था। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, किशोरों का औसत दैनिक 'पटल समय' (स्क्रीन टाइम) लगातार बढ़ रहा है।

संपादकीय

स्वस्थ जीवन की ओर एक ठोस कदम

हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को दुनिया भर में 'नो स्मोकिंग डे' के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को बीड़ी-सिगरेट की जानलेवा लत से बचाकर एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक दौर में, काम के बोझ और मानसिक तनाव के कारण लोग अक्सर नशे की शरण ले लेते हैं। विशेषकर युवाओं में धूम्रपान एक 'फैशन' या 'स्टेटस सिंबल' बनता जा रहा है, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अक्सर दोस्तों के दबाव या कौतूहलवश ली गई पहली सिगरेट कब शरीर की मजबूरी बन जाती है, इसका पता ही नहीं चलता। सिगरेट में मौजूद निकोटीन मस्तिष्क को शांति का एक क्षणिक भ्रम देता है, जबकि वास्तव में यह शरीर के भीतर धीमा जहर घोल रहा होता है। मेडिकल साइंस के अनुसार, तंबाकू का सेवन फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। इसका जहरीला धुआं श्वसन नली में सूजन और संक्रमण पैदा करता है। केवल फेफड़े ही नहीं, बल्कि हृदय रोग, स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप जैसी घातक बीमारियों की जड़ में भी धूम्रपान ही पाया गया है। इसके दुष्प्रभाव केवल आंतरिक अंगों तक सीमित नहीं हैं; यह व्यक्ति की बाहरी सुंदरता और आत्मविश्वास को भी लील लेता है। होंठों का काला पड़ना, दांतों का पीलापन और चेहरे पर असमय झुर्रियां इसके स्पष्ट संकेत हैं। धूम्रपान का सबसे दुखद पहलू 'पैसिव स्मोकिंग' है। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान या घर के भीतर सिगरेट पीता है, तो वह धुआं हवा में घुलकर आसपास के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों की सांसों में जहर घोल देता है। घर के भीतर धूम्रपान करना अपने ही परिवार की सेहत के साथ खिलवाड़ है, जिससे बच्चों में अस्थमा और श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियां पनप सकती हैं। हालांकि सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर कानूनी रोक लगाई है, लेकिन असली बदलाव केवल कानून से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत इच्छाशक्ति से ही संभव है। यदि आप सिगरेट की इन बेड़ियों को तोड़ना चाहते हैं, तो शुरूआत एक सच्चे वादे से करें। इसे छोड़ने की एक निश्चित तारीख तय करें और अपने परिवेश से लाइटर, माचिस और ऐश-ट्रे जैसी चीजें हटा दें। अपने परिवार और उन मित्रों को इस फैसले के बारे में बताएं जो आपकी परवाह करते हैं; उनका भावनात्मक समर्थन आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। जब भी सिगरेट की तीव्र तलब महसूस हो, तो तुरंत अपना ध्यान भटकाएं। खूब पानी पिएं या कोई फल खाएं। सौंफ, इलायची या अदरक के टुकड़े पास रखना तलब को कम करने में सहायक होता है। सुबह की सैर, हल्का व्यायाम और प्राणायाम फेफड़ों को नई शक्ति प्रदान करते हैं, जबकि ध्यान मानसिक तनाव को नियंत्रित करता है। धूम्रपान छोड़ने का एक बड़ा पक्ष आर्थिक भी है। सिगरेट पर होने वाला खर्च साल भर में एक बड़ी राशि बन जाता है, जिसे आप बेहतर भविष्य के लिए निवेश कर सकते हैं। सुखद बात यह है कि सिगरेट छोड़ते ही शरीर खुद को 'रिपेयर' करना शुरू कर देता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

तीन साल, तीन आईसीसी ट्रॉफी

कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। न्यूजीलैंड को 96 रनों से शिकस्त देकर भारत ने तीसरी बार टी-20 विश्व विजेता का ताज अपने नाम किया। यह जीत केवल एक टूर्नामेंट की सफलता नहीं, बल्कि उस निरंतरता और सामूहिक पुरुषार्थ का प्रमाण है, जिसने पिछले तीन वर्षों में विश्व क्रिकेट का भूगोल बदल दिया है। 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी और अब 2026 का यह विश्व खिताब–भारत की 'खिताबों की हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि टीम इंडिया अब विश्व क्रिकेट की निर्विवाद महाशक्ति है।

फाइनल का रोमांच और ऐतिहासिक स्कोर

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 255 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। इतने विशाल लक्ष्य के दबाव में कीवी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई और पूरी टीम 159 रनों पर सिमट गई। भारत की इस आक्रामक शैली ने आधुनिक क्रिकेट के नए मानक स्थापित किए हैं।

संजू सैमसन: रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

इस ऐतिहासिक सफर के महानायक रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाकर विराट कोहली (2014 में 319 रन) के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का वह दुर्लभ संतुलन दिखा, जिसकी बदौलत उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे बड़े मंचों पर उनके अर्धशतकों ने टीम की जीत सुनिश्चित की। संजू के साथ-साथ ईशान किशन (317 रन) और अभिषेक शर्मा ने बल्लेबाजी को नई धार दी। अभिषेक शर्मा ने फाइनल में महज 18 गेंदों में अर्धशतक जड़कर कीवी गेंदबाजों के हौसले पस्त कर दिए। वहीं, गेंदबाजी में 'यॉर्कर किंग' जसप्रीत बुमराह का दबदबा कायम रहा। फाइनल में 15 रन देकर 4 विकेट लेने वाले बुमराह को उनके कातिलाना स्पैल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' नवाजा गया। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक बार फिर खुद को 'संकटमोचक' साबित किया। पूरे टूर्नामेंट में 200 से अधिक रन और महत्वपूर्ण विकेट लेकर उन्होंने टीम को संतुलन दिया। साथ ही, शिवम दुबे की 8 गेंदों में 26 रनों की छोटी मगर विस्फोटक पारी ने फाइनल के स्कोर को उस ऊंचाई पर पहुँचाया जहाँ से न्यूजीलैंड की वापसी असंभव थी।

कोच गंभीर की रणनीति और देश का गौरव

इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे मुख्य कोच गौतम गंभीर की दूरदर्शी रणनीति और 'विनिंग माइंडसेट' की बड़ी भूमिका रही। गंभीर, जो स्वयं बड़े मैचों के खिलाड़ी रहे हैं, उन्होंने टीम में वह निर्भीकता भरी जिसकी आवश्यकता आईसीसी नॉकआउट्स में होती है। पूरे टूर्नामेंट में भारत द्वारा लगाए गए 106 छक्के उनकी आक्रामक सोच का परिणाम हैं। जीत के बाद देशभर की सड़कों पर तिरंगा लहराता दिखा और आतिशबाजी के शोर ने यह बता दिया कि यह जीत केवल 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सपनों की जीत है।

निर्यापक मुनिश्री विलोकसागर जी ससंघ पहुंचे नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी जैन मंदिर, समग्र जैन समाज ने पाद प्रक्षालन कर किया भव्य स्वागत

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर जी महाराज ससंघ ने प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्मकल्याणक महोत्सव एवं विशाल रथयात्रा महामहोत्सव के अवसर पर 10 मार्च को श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गुदड़ी मसूर खां से मंगल विहार कर नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी में भव्य मंगल प्रवेश किया। मंगल प्रवेश के दौरान ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने मुनिसंघ का स्वागत किया। नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी जैन समाज के लोगों ने मुनिसंघ का पाद प्रक्षालन कर भक्ति भाव से अभिनंदन किया। इसके पश्चात मुनिसंघ श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुँचे, जहाँ मंदिर में विराजमान अतिशयकारी भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के दर्शन किए गए। इस अवसर पर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने मुनिसंघ के समक्ष श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को निर्यापक मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज की मंगलवाणी सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने धर्म, संयम और आस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। आदिनाथ जन्मकल्याणक महोत्सव एवं विशाल रथयात्रा महामहोत्सव के मुख्य संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत 11 मार्च को ध्वजारोहण एवं भगवान आदिनाथ विधान का आयोजन किया जाएगा। वहीं 12 मार्च को प्रातः 7 बजे भगवान आदिनाथ के जन्मकल्याणक एवं तपकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर भव्य रथयात्रा एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें समग्र जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर मनोज जैन बाकलीवाल, अशोक जैन, अजय जैन, संजीव जैन, राजेश जैन बल्ले, विनोद जैन, अखिल जैन, सत्येंद्र जैन सहित नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी जैन समाज के अनेक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्राकृत साहित्य में नारी विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन द्वारा 8 मार्च 2026 को रात्रि 8 बजे ''प्राकृत साहित्य में नारी'' विषय पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम को चतुर्थ पट्टाधीश मुनि श्री 108 सुनील सागर जी महाराज का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ। संगोष्ठी का प्रारंभ फाउंडेशन के महामंत्री डॉ. आशीष जैन आचार्य (शाहगढ़) के बीज वक्तव्य से हुआ। उन्होंने नारी को मातृत्व और भगिनी रूप में सम्मानित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं तथा समाज में नारी के गौरवपूर्ण स्थान को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ. सुषमा रोटे (कोल्हापुर) ने प्राकृत साहित्य में नारी के प्रेरणादायी व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए प्राकृत कथाओं के माध्यम से करुणा, ममता, धैर्य और त्याग के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। ब्रह्मचारिणी डॉ. समता जैन (इंदौर) ने अपने वक्तव्य में बताया कि प्राकृत ग्रंथों में नारी को धर्म, साधना और आत्मोत्कर्ष की साधिका के रूप में चित्रित किया गया है। सारस्वत अतिथि डॉ. संगीता मेहता (इंदौर) ने कालिदास और भास के नाटकों से प्राकृत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नारी के विविध रूपों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नीलम जैन (विजिटिंग स्कॉलर, सैन जोस यूनिवर्सिटी, यूएसए) ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति और जैन परंपरा में नारी माता, सहधर्मिणी, साध्वी और श्राविका के रूप में समाज निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने अपनी पुस्तकों ''प्राकृत भाषा में राम'', ''लोक साहित्य में नारी'' तथा समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका के संदर्भों से विषय को स्पष्ट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता जैन (प्रचार मंत्री, प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन, पुणे) ने किया। मंगलाचरण श्रीमती उमंग जैन ने प्रस्तुत किया तथा वक्ताओं का परिचय श्रीमती गीतांजलि उपाध्ये ने दिया। कार्यक्रम में मार्गदर्शन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. ऋषभचंद जैन फौजदार का प्राप्त हुआ। सह-संयोजक के रूप में डॉ. कोमल जैन शास्त्री (कानपुर), पं. लोकेश जैन शास्त्री (गनोड़ा, राजस्थान) और पं. जितेंद्र शास्त्री (विजयनगर, असम) का विशेष सहयोग रहा। अंत में डॉ. सुरेखा नरदे ने आभार व्यक्त करते हुए जिनवाणी स्तुति प्रस्तुत की। संगोष्ठी में देश-विदेश से जुड़े विद्वानों, शोधार्थियों और प्राकृत प्रेमियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम में डॉ. शैलेंद्र जैन, डॉ. राजेश शास्त्री, प्रो. डॉ. जिनेंद्र कुमार जैन, डॉ. रमेश जी, ब्रह्मचारी जिनेश जी, डॉ. यतीश जी, अनुपमा जी, डॉ. रूबी जैन सहित लगभग 80 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस संगोष्ठी के माध्यम से प्राकृत साहित्य में नारी के गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी स्वरूप पर सार्थक विमर्श हुआ।

इंदौर: धूमधाम से मनेगा भगवान आदिनाथ का जन्मकल्याणक महोत्सव

इंदौर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, देवाधिदेव भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ भगवान) का जन्मोत्सव 12 मार्च 2026 को अत्यंत उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय, छत्रपति नगर में इस अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि जिनके पुत्र चक्रवर्ती भरत के नाम पर इस देश का नाम 'भारत' पड़ा, उन आदिदेव की पालकी यात्रा इसी दिन निकाली जाएगी। छत्रपति नगर जैन समाज के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन के अनुसार, यह चल समारोह आदिनाथ जिनालय से आरंभ होकर गौरव नगर, महावीर बाग और अग्रसेन नगर होते हुए पुनः जिनालय पहुंचेगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा

प्रातः 6:30 बजे से मूलनायक भगवान का स्वर्ण एवं रजत कलशों से महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा होगी। इसके पश्चात 8:30 बजे से श्रीजी की पालकी यात्रा निकलेगी। संध्या बेला में भगवान की भव्य आरती और 48 दीपकों के साथ 'भक्तांबर' पाठ की मंगल आराधना की जाएगी। आयोजन समिति के कमल जैन, ज्ञानेंद्र जैन, विपुल बाझल, निलेश जैन एवं समस्त महिला मंडल ने समाज जन से पुरुष वर्ग को श्वेत वस्त्रों और महिलाओं को मंडल की साड़ियों में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

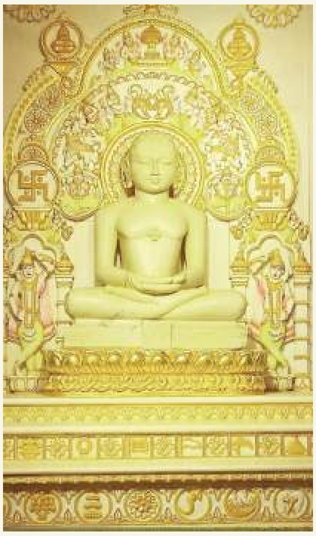

टोंक में आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का मंगल प्रवेश; आदिनाथ जयंती महोत्सव का शुभारंभ

टोंक. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी टोंक स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया में भगवान आदिनाथ जन्म जयंती महोत्सव का त्रिदिवसीय आयोजन 10 से 12 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। महोत्सव का शुभारंभ स्वस्ति धाम प्रणेत्री आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के भव्य मंगल प्रवेश के साथ हुआ। यह आयोजन आचार्य इंद्र नंदी जी एवं बालाचार्य निपूर्ण नंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। समाज प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार के अनुसार, महोत्सव के पहले दिन भक्ति संगीत के कार्यक्रम आयोजित किए गए। 11 मार्च को मानस्तंभ का पंचामृत अभिषेक और महिला मंडल द्वारा धार्मिक नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। महोत्सव के अंतिम दिन, 12 मार्च को प्रातः मूलनायक आदिनाथ भगवान का अभिषेक होगा, जिसके पश्चात भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। दोपहर में आदिनाथ मंडल विधान और रात्रि में 108 दीपों से आरती व भक्तामर पाठ का आयोजन होगा। आयोजन को सफल बनाने में समाज अध्यक्ष पदमचंद आंडरा, धर्मचंद दाखिया सहित नसिया समिति और सकल जैन समाज के सदस्य उत्साहपूर्वक जुटे हुए हैं।

नवजीवन सहायतार्थ संगठन ने नवजात कन्याओं का किया सम्मान

शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल में आरएमओ डॉ. निखिल अग्रवाल एवं डॉ. उमा शर्मा ने छह नवजात कन्याओं का सम्मान किया। संगठन की संस्थापिका श्रीमती नीतेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला दिवस के दिन जिला अस्पताल में रात 12 बजे से जो महिलाएँ बच्चियों को जन्म देती हैं, उन्हें नवजीवन सहायतार्थ संगठन की ओर से पुष्पगुच्छ और बेबी किट भेंट कर सम्मानित किया जाता है। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा यह कार्यक्रम पिछले लगभग 14 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर नम्रता जैन, प्रीती जैन, रूबी जैन, पिंकू शर्मा, गौतम सोनी, लवकुश सोनी, अजीत जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विधानसभा में गूंजी महावीर जयंती अवकाश संशोधन और आदिनाथ जयंती पर छुट्टी की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधानसभा में आज जैन समाज की महत्वपूर्ण मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। मालवीय नगर विधायक और पूर्व राज्य मंत्री कालीचरण सर्राफ ने महावीर जयंती के अवकाश में संशोधन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार ने 31 मार्च को अवकाश घोषित किया है, जबकि जैन पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ला त्रयोदशी (महावीर जयंती) 30 मार्च को है। उन्होंने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए अवकाश की तिथि बदलने की मांग की। इसी क्रम में, विधायक अशोक कोठारी ने जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) के जन्म कल्याणक पर राजकीय अवकाश घोषित करने की वर्षों पुरानी मांग सदन के पटल पर रखी। साथ ही, कोठारी ने जैन साधु-संतों की सुरक्षा और उनके प्रवास के दौरान सुविधाओं के क्रियान्वयन का विषय भी प्रश्नकाल के माध्यम से उठाया। इन विषयों को सदन में उठाने पर 'धर्म जागृति संस्थान' के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बडजात्या, महावीर जी क्षेत्र के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल और मानद मंत्री उमराव मल सांघी सहित राजस्थान जैन सभा व अन्य संगठनों ने दोनों विधायकों का आभार व्यक्त किया है।

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर द्वारा दो दिवसीय धार्मिक यात्रा के अंतर्गत क्लब के सदस्यों को मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थस्थलों का भ्रमण कराया गया। क्लब के अध्यक्ष राजेश पारीक एवं सचिव महेंद्र बैराठी ने बताया कि यात्रा की शुरूआत श्रद्धालुओं द्वारा श्रीकृष्ण भगवान सांवरिया सेठ के दर्शन से हुई, जहाँ सभी सदस्यों ने श्रद्धा-भाव से पूजा-अर्चना कर यात्रा का शुभारंभ किया। इसके पश्चात नाथद्वारा स्थित भगवान शिव की विशाल प्रतिमा ''स्टैच्यू ऑफ बिलीफ'' का अवलोकन किया गया तथा वहाँ आयोजित लाइट एंड साउंड शो का आनंद लिया। यात्रा के दूसरे दिन प्रातःकाल श्रद्धालुओं ने श्रीनाथजी के मंगला एवं श्रृंगार के दिव्य दर्शन किए। इसके बाद म्यूजियम ऑफ ग्रेस का अवलोकन किया गया। साथ ही एकलिंग जी मंदिर में दर्शन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक विकास भाटिया एवं नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस भक्तिमय यात्रा में लगभग 55 लायन सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्लब के कोषाध्यक्ष सी.एम. गर्ग ने बताया कि पूरी यात्रा के दौरान सदस्यों ने भजन-कीर्तन और भक्ति गीतों के साथ आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। सभी सदस्यों के सहयोग और समन्वय से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

पेंशनर समाज का होली मिलन समारोह संपन्न; नव वर्ष कैलेंडर का हुआ विमोचन

सांगानेर. शाबाश इंडिया। राजस्थान पेंशनर समाज की सांगानेर उपशाखा द्वारा संरक्षक सुभाषचन्द्र गोयल के मार्गदर्शन में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर, उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल, जिला अध्यक्ष जी.के. मीणा और जिला मंत्री मदनलाल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2083 (2028) की पूर्व शुभकामनाएँ देते हुए आगामी वर्ष के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण 80 वर्ष से अधिक आयु के 13 वरिष्ठ पेंशनरों का सम्मान रहा, जिन्हें उनकी दीर्घायु और समाज के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में पेंशनरों के कल्याण और सामाजिक एकजुटता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी मंचासीन अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और उपस्थित सदस्यों के लिए सहभोज का आयोजन हुआ। इस दौरान नवरत्न अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय राजनीति में सुचिता और गरिमा के प्रतीक थे श्रीमंत माधवराव सिंधिया : सिद्धार्थ जैन

भिंड. शाबाश इंडिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने निराश्रित भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाशवासी श्रीमंत माधवराव सिंधिया की 81वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता सिद्धार्थ जैन एवं उनके साथियों ने निराश्रित भवन में निवासरत वृद्धजनों को स्वल्पाहार भी वितरित किया। इस अवसर पर सिद्धार्थ जैन ने कहा कि माधवराव सिंधिया भारतीय राजनीति में सुचिता और गरिमा के प्रतीक थे। उन्होंने गुना-इटावा रेल लाइन, केंद्रीय विद्यालय, आईटीआई सहित अनेक विकास योजनाएँ जिले को प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करने वाले नेता थे और उन्होंने ग्वालियर-चंबल अंचल तथा शहर के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। इसी कारण लोग उन्हें विकास का मसीहा मानते थे। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सरोज बघेल, वरिष्ठ नेता सुनील दुबे, रविन्द्र नरवरिया, जिला उपाध्यक्ष तरुण शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अजय शर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल 'बाबूजी', अनिल कटारे, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक, अमित जैन, मंडल अध्यक्ष टीपू भदौरिया, दीपेश तोमर, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, जिला मंत्री महेंद्र कुशवाह, मंडल उपाध्यक्ष राकेश जैन, रामकृष्ण बघेल, प्रभाकर नरवरिया, रवि बघेल, अनूप बघेल, सुरेंद्र गर्ग, धीरज सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव 12 मार्च को

सीकर. कासं। सीकर के तबेला बाजार स्थित आदिनाथ चैत्यालय में प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव 12 मार्च को श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। जैन समाज द्वारा इसे 'तीर्थंकर दिवस' के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

धार्मिक अनुष्ठान और कार्यक्रम

विवेक पाटोदी ने बताया कि विद्वान आशीष जैन शास्त्री के सानिध्य में दो दिवसीय आयोजन होंगे। 11 मार्च को प्रातः 8 बजे से 24 घंटे का अखंड भक्तामर पाठ शुरू होगा, जिसके पश्चात संध्या को दीप अर्चना एवं बधाई गीत होंगे। 12 मार्च को प्रातः 5:30 बजे प्रभात फेरी, अभिषेक और शांतिधारा के बाद संगीतमय भक्तामर महामण्डल विधान किया जाएगा। कोटा की नवीन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। **आदिनाथ भगवान का संदेश:** भागचंद सेठी ने बताया कि भगवान आदिनाथ ने ही मानवता को असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प जैसे षटकर्मों की शिक्षा देकर सभ्य समाज की आधारशिला रखी थी। वे संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक हैं। इस महोत्सव के मुख्य पुण्यार्जक भागचंद मंजू देवी सेठी परिवार हैं। शहर के अन्य मंदिरों में भी इस अवसर पर विशेष पूजा, पालना झुलाने और शांतिधारा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही सशक्त समाज की नींव: संध्या यादव

वाराणसी. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रामनगर स्थित आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महाविद्यालय में महिला स्वास्थ्य जागरूकता पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ संध्या यादव ने छात्राओं और महिलाओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्राथमिक चिकित्सा और स्वास्थ्य पर व्याख्यान संध्या यादव ने 'प्राथमिक चिकित्सा और बुनियादी स्वास्थ्य' विषय पर चित्रमयी प्रस्तुति (स्लाइड शो) के माध्यम से छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला स्वास्थ्य के प्रति सजगता ही एक सशक्त और स्वस्थ समाज का आधार है। उन्होंने किशोरावस्था से लेकर वृद्धवस्था तक होने वाले शारीरिक परिवर्तनों और सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया। सम्मान और सत्कार महाविद्यालय की मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय ने मुख्य वक्ता संध्या यादव को अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न और पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इससे पूर्व सोफिया खानम ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए उनका शाब्दिक स्वागत किया। आयोजन की मुख्य उपस्थिति संगोष्ठी का कुशल संचालन अल्पा तिवारी ने किया और अंत में अपूर्वा पाण्डेय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की निदेशिका कल्पलता पाण्डेय, प्राचार्य राम नरेश शर्मा, प्रतिमा राय, सीमा मिश्रा, अरुण कुमार दुबे, सूर्य प्रकाश वर्मा, दीपक गुप्ता, अजय शुक्ला और मुकेश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अतिथि देवो भवः परंपरा और वर्तमान समय में प्रासंगिकता

भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्थान अत्यंत ऊँचा माना गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है– ''अतिथि देवो भवः'', अर्थात जो अतिथि हमारे घर आए, उसे देवता के समान सम्मान देना चाहिए। यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति और संस्कारों की गहरी भावना का प्रतीक है। प्राचीन समय से ही भारत में अतिथि का स्वागत आदर, प्रेम और विनम्रता से किया जाता रहा है। प्राचीन भारत में जब यात्रा के साधन सीमित थे, तब लोग दूर-दूर से पैदल या बैलगाड़ी से यात्रा करते थे। ऐसे समय में घर-घर में यात्रियों और अतिथियों का स्वागत किया जाता था। उन्हें भोजन, पानी और विश्राम की व्यवस्था देना धर्म और कर्तव्य माना जाता था। इससे समाज में प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना विकसित होती थी। 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा हमें यह सिखाती है कि जो व्यक्ति हमारे घर या जीवन में आए, उसका सम्मान और आदर करना चाहिए। यह भावना केवल घर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब हम किसी अतिथि के साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हैं, तो उससे हमारी संस्कृति की महानता प्रकट होती है। वर्तमान समय में भले ही जीवन की गति तेज हो गई हो और लोगों के पास समय कम हो, फिर भी 'अतिथि देवो भवः' का महत्व कम नहीं हुआ है। आज भी यदि हम अपने घर, समाज या देश में आने वाले लोगों का स्वागत स्नेह और सम्मान से करते हैं, तो यह हमारे संस्कारों और सभ्यता का परिचय देता है। पर्यटन के क्षेत्र में भी यह भावना भारत की एक महत्वपूर्ण पहचान बन चुकी है। हालाँकि आधुनिक जीवनशैली के कारण कई बार लोगों में अतिथि सत्कार की परंपरा कम होती दिखाई देती है, परंतु हमें यह समझना चाहिए कि आदर और विनम्रता जैसे मूल्य कभी पुराने नहीं होते। यदि हम इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव और अधिक मजबूत हो सकता है। अंततः कहा जा सकता है कि 'अतिथि देवो भवः' केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह हमें सिखाती है कि दूसरों का सम्मान करना ही सच्चे संस्कार और मानवता की पहचान है। यदि हम इस भावना को आज भी अपने जीवन में बनाए रखें, तो हमारा समाज और अधिक सभ्य, स्नेहमय और समृद्ध बन सकता है। – **अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

समाज एवं राजनीति में उत्कृष्ट योगदान के लिए पूनम तिलक सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवा और राजनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के लिए पूनम तिलक को 'सर्वोच्च महिला सम्मान' से विभूषित किया गया। महासभा के पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके सामाजिक सरोकारों की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने पूनम तिलक के नेतृत्व कौशल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि वे नारी शक्ति के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी।

समयसार ग्रंथ पढ़कर समय के अनुसार संयममय जीवन जीना ही ग्रंथ पढ़ने की सार्थकता है : मुनि श्री हितेंद्र सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

रत्नकरण श्रावकाचार ग्रंथ रत्नत्रय मार्ग और वैराग्य की प्रेरणा देता है। भगवान श्री पारसनाथ के दर्शन वैराग्य धारण करने से पहले किए थे। आज पुनः पारसनाथ भगवान एवं मूलनायक चंद्रप्रभ भगवान के दर्शन हुए। भगवान के दर्शन में इतना तल्लीन हुआ कि जैसे भगवान स्वयं संयम मार्ग की अनुमोदना कर रहे हों। परिजनों और समाज के सहयोग, आशीर्वाद, संस्कार तथा मार्गदर्शन के कारण मैं गलत राह पर नहीं गया और आज इस साधु जीवन में हूँ। अनेक पुरानी यादें भावुक कर देती हैं। दीक्षागुरु के वात्सल्य, आशीर्वाद और शिक्षा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। राजेश पंचोलिया के अनुसार, यह उद्गार नगर कॉलोनी गौरव मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने धर्मसभा में व्यक्त किए। श्री हरकचंद जैन (अध्यक्ष) एवं श्री रामपाल जैन (मंत्री) ने बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी 34 साधुओं के साथ मालवीय नगर में विराजित हैं। आचार्य श्री के सान्निध्य में संघ चेत्यालय में श्रीजी का पंचामृत अभिषेक हुआ। श्री चंद्रप्रभ जिनालय में भी श्रीजी का अभिषेक हुआ। शांतिधारा का सौभाग्य श्री अकलंक जैन को प्राप्त हुआ तथा शांतिधारा का वाचन कॉलोनी नगर गौरव मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने किया। आचार्य संघ के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में श्रीजी एवं प्रथमाचार्य आचार्य श्री शांतिसागर जी के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्वलन किया गया। श्री महेंद्र अनोपड़ा ने आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। कुमारी क्षमा के नृत्य मंगलाचरण के पश्चात मुनि श्री मुमुक्षु सागर जी ने नगर गौरव मुनि श्री हितेंद्र सागर जी का गुणानुवाद करते हुए उनकी गुरुभक्ति और गुरु के प्रति समर्पण को चंद्रगुप्त के समान बताया। दोपहर में चंद्रप्रभ जिनालय में धार्मिक विधान की पूजा हुई। शाम को श्रीजी की आरती के बाद आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की संगीतमय आरती हुई।

रिलायंस रिटेल ने किया हिमालयी प्राकृतिक उत्पाद ब्रांड 'पहाड़ी लोकल' का अधिग्रहण

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने भारतीय सौंदर्य और स्वास्थ्य देखभाल ब्रांड 'पहाड़ी लोकल' का अधिग्रहण कर लिया है। हिमालयी क्षेत्रों की प्राकृतिक सामग्री पर आधारित उत्पादों के लिए प्रसिद्ध यह ब्रांड अब रिलायंस के व्यापक तंत्र का हिस्सा होगा। यह ब्रांड विशेष रूप से लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर काम करता है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि 'पहाड़ी लोकल' हिमालयी स्वास्थ्य परंपराओं और शुद्ध स्रोतों से जुड़ा एक विशिष्ट ब्रांड है। रिलायंस रिटेल अपने विस्तृत विक्रय मंचों के माध्यम से इस पारंपरिक ज्ञान और प्राकृतिक उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए उत्साहित है। वर्ष 2018 में स्थापित यह ब्रांड अपनी टिकाऊ उत्पादन प्रक्रिया और शुद्धता के लिए जाना जाता है। इस अधिग्रहण के बाद भी ब्रांड की संस्थापक टीम इसके रचनात्मक विकास और उत्पाद निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी। इस कदम से रिलायंस रिटेल का व्यक्तिगत देखभाल और सौंदर्य उत्पादों का विभाग और अधिक सशक्त होगा, साथ ही स्वदेशी एवं पारंपरिक भारतीय ब्रांडों को भी नई पहचान मिलेगी।

सफाईकर्मी की बेटी के विवाह में समाजसेवियों ने पेश की मानवता की मिसाल

अंबाह. शाबाश इंडिया। नगर के मुक्तिधाम में कार्यरत दिवंगत सफाईकर्मी मधु वाल्मीकि की सुपुत्री का विवाह 10 मार्च को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। पिता के निधन के पश्चात आर्थिक संकट से जूझ रहे इस परिवार की सहायता के लिए पूर्व पार्षद जयप्रकाश गुधेनिया और समाजसेवी अंबरीश गुधेनिया आगे आए और विवाह की संपूर्ण जिम्मेदारी उठाई।

सामूहिक सहयोग से लौटी खुशियां

बारात के आगमन पर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। समाजसेवियों ने लगभग 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। इसमें सोफा, अलमारी, पलंग, कूलर और बर्तनों सहित गृहस्थी का समस्त सामान और वस्त्र सम्मिलित थे। इसके अतिरिक्त, लगभग 400 अतिथियों के लिए भोजन और आवास की उत्तम व्यवस्था भी की गई।

विवाह की रस्में और आशीर्वाद

विवाह की सभी रस्में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुईं। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने नवदंपति को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। कठिन समय में मिले इस सहयोग से भावुक होकर परिवार ने समाजसेवियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। नगरवासियों ने भी इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश बताया है।

वाणी जैन बनीं 'वीमेन पावर सोशियलिटी फाउंडेशन' की राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला एवं बाल विकास के लिए समर्पित संस्था 'वीमेन पावर सोशियलिटी फाउंडेशन' ने शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन को अपने राष्ट्रीय खेलकूद विभाग का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। संस्था के राष्ट्रीय समन्वयक संतोष कुमार ने बताया कि वाणी जैन की खेल प्रतिभा और बच्चों को शतरंज सिखाने के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आगामी 22 मार्च 2026 को टोंक रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित होने वाले 'कन्या जन्म गौरव स्वाभिमान सम्मान समारोह' में उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

15 मार्च से नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर

अपनी नई जिम्मेदारी के साथ वाणी जैन ने 15 मार्च से 29 मार्च 2026 तक मधु बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, मानसरोवर में बच्चों और युवाओं के लिए नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर की घोषणा की है। इस शिविर में अनुभवी प्रशिक्षक विक्रम सिंह, पीयूष शर्मा और दीपक राव नवांकुर खिलाड़ियों को शतरंज की बारीकियां सिखाएंगे। वाणी जैन ने अभिभावकों और बच्चों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। संस्था के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि वाणी जैन के नेतृत्व में शतरंज जैसे बौद्धिक खेल के प्रति बच्चों का आकर्षण बढ़ेगा और वे खेल जगत में अपना भविष्य उज्ज्वल करेंगे।

बंगीय हिंदी परिषद् में 'कविकल्प' गोष्ठी और 'समय की प्रतिध्वनि' का विमोचन

कोलकाता. शाबाश इंडिया

महानगर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था बंगीय हिंदी परिषद् में गत रविवार को 'कविकल्प' काव्य गोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दो महत्वपूर्ण सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें साहित्यकारों और प्रबुद्ध श्रोताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रथम सत्र: समय का दस्तावेज 'समय की प्रतिध्वनि'

प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रेमशंकर त्रिपाठी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अरुण प्रकाश मल्लावत एवं प्रधान वक्ता के रूप में सत्यप्रकाश तिवारी उपस्थित रहे। इस सत्र में उमेश चंद्र पांडेय की नवीन कृति ह्रसमय की प्रतिध्वनिह्न का विमोचन किया गया। दोहों और मुक्तकों से समृद्ध इस पुस्तक की उपस्थित विद्वानों ने मुक्त कंठ से सराहना की। प्रधान वक्ता ने इसे 'समय का दस्तावेज' बताते हुए निर्भीक अभिव्यक्ति के लिए कवि की प्रशंसा की। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रेमशंकर त्रिपाठी ने पुस्तक के चुनिंदा दोहों को उद्धृत करते हुए कृति की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। स्वागत वक्तव्य में परिषद् के मंत्री राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने सभी का अभिनंदन किया, वहीं लेखक उमेश चंद्र पांडेय ने अपनी रचना यात्रा के अनुभव साझा किए। इस सत्र का कुशल संचालन पुष्पा मिश्रा ने किया।

द्वितीय सत्र: नारी शक्ति को समर्पित काव्य रसधार

द्वितीय सत्र 'कविकल्प' के रूप में आयोजित हुआ, जो अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं को समर्पित रहा। इस सत्र की अध्यक्षता शिप्रा मिश्रा ने की। प्रधान अतिथि के रूप में वंदना पाठक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उर्वशी श्रीवास्तव एवं सुषमा राय पटेल उपस्थित रहीं। काव्य गोष्ठी में उमेश पांडेय, भागीरथ सारस्वत, सुरेंद्र सिंह, मंजू तिलक, नंदलाल रोशन, मनोज मिश्र, गजेंद्र नाहटा, कमल पुरोहित सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। द्वितीय सत्र का संचालन प्रदीप कुमार धानुक ने किया।

ओजस्वी ग्रुप का 'चांदनी' उत्सव संपन्न; महिलाओं ने बिखेरी अपनी चमक

जयपुर. शाबाश इंडिया

ओजस्वी ग्रुप द्वारा 9 मार्च 2026 को चाणक्य भोजनालय में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। ग्रुप की अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य विषय (थीम) 'चांदनी' रखा गया था, जिसमें लगभग 80 सदस्यों ने श्वेत परिधानों में अत्यंत आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं।

सांस्कृतिक रंग और मनोरंजन

'चांदनी' विषय पर आधारित विशेष खेल और पहेलियों (हाउजी) का आयोजन किया गया, जिसका उपस्थित महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया। विजेता प्रतिभागियों को अनीता बाकलीवाल एवं वीर बाला जैन द्वारा पारितोषिक प्रदान किए गए। संपूर्ण परिसर चांदनी की आभा के अनुरूप श्वेत धवल रोशनी और सजावट से सराबोर दिखा।

निवेश जागरूकता पर व्याख्यान

मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से कार्यक्रम में एक 'निवेश जागरूकता सत्र' का भी आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पीयूष जैन ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और बचत के आधुनिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल संचालन में संयुक्त मंत्री नूपुर जैन सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अध्यक्ष किरण झंझरी ने बताया कि सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग और उत्साह ने इस आयोजन को यादगार और रोचक बना दिया। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने सुरुचिपूर्ण सहभोज का आनंद लिया।

समाज सेवा और एकता का संकल्प

दिगंबर जैन सामाजिक संसद के पदाधिकारियों ने ली शपथ

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ विधि समारोह प्रेस क्लब के सभागार में गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। समाज के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल और प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि समारोह में समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शकों और श्रेष्ठीजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शपथ और नवीन दायित्व

समाज श्रेष्ठी अशोक बढ़जात्या ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने वालों में महामंत्री देवेंद्र सोगानी, संगठन महामंत्री जेनैश झांझरी, कोषाध्यक्ष पिंकेश टोंग्या, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष महावीर जैन और महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनामिका बाकलीवाल सहित लगभग 50 सदस्य सम्मिलित थे। इस अवसर पर आगामी महावीर जन्म कल्याणक शोभायात्रा के सफल आयोजन हेतु नकुल पाटोदी को सर्वसम्मति से संयोजक नियुक्त किया गया।

एकता और धर्म का संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने सत्य, धर्म के आचरण और सामाजिक एकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बिना दृढ़ता और नैतिकता के समाज में वास्तविक एकता संभव नहीं है। वक्ताओं ने विनय बाकलीवाल के कर्तव्यनिष्ठ नेतृत्व की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि उनके कार्यकाल में जैन समाज विकास और सेवा की नई ऊंचाइयों को छुएगा। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवक्ता मनीष अजमेरा ने किया और आभार संगठन महामंत्री जेनैश झांझरी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर राजकुमार पाटोदी, नरेंद्र वेद, संदीप जैन, धीरेंद्र कासलीवाल और रानी दोषी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पथभ्रष्टता: पागलपन से भी अधिक घातक स्थिति

मनुष्य से भूल होना स्वाभाविक है, किंतु जब वह होश में रहते हुए भी जानबूझकर सत्य और मयार्दा का मार्ग त्याग देता है, तो वह स्थिति 'पथभ्रष्टता' कहलाती है। एक पागल व्यक्ति का कृत्य विवेकहीनता का परिणाम होता है, जिससे समाज को अधिक अपेक्षा नहीं होती। किंतु एक पथभ्रष्ट व्यक्ति अपने स्वार्थ, अहंकार या लालच के कारण सत्य को जानते हुए भी गलत मार्ग चुनता है, जो वास्तव में पागलपन से भी अधिक पतित और खतरनाक स्थिति है। पागल व्यक्ति स्वयं को हानि पहुँचाता है, परंतु पथभ्रष्ट व्यक्ति समाज की नैतिक रीढ़ और मूल्यों को नष्ट करता है। उसका पतन व्यक्तिगत न रहकर सामूहिक पतन का कारण बन जाता है। आज के समय में अक्सर लोग तात्कालिक लाभ के लिए सत्य को अनदेखा कर देते हैं। यह छोटी सी शुरूआत धीरे-धीरे व्यक्ति के चरित्र को बदल देती है और अंततः वह अपने ही मूल्यों के विरुद्ध खड़ा हो जाता है। समाज के लिए सबसे बड़ा संकट वही बुद्धिमान व्यक्ति है जो अपने विवेक का उपयोग नहीं करता। इसलिए आत्ममंथन अनिवार्य है। मनुष्य को निरंतर स्वयं से पूछना चाहिए कि उसका मार्ग धर्म और सत्य के अनुरूप है या केवल स्वार्थ पूर्ति का साधन। पागलपन एक विवशता हो सकती है, परंतु पथभ्रष्टता एक चुनाव है, और यही चुनाव मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है।

नितिन जैन
संयोजक–जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष–अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल

सांस्कृतिक संध्या 'उड़ान' में नन्हे बच्चों ने बिखेरी अपनी प्रतिभा की छटा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। प्रेम प्रवेश मेमोरियल सोसायटी द्वारा संचालित 'टॉय एन जॉय' विद्यालय का 19वां वार्षिक उत्सव विज्ञान समिति के सभागार में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 'उड़ान' नामक इस सांस्कृतिक संध्या में नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और संदेश

समारोह में नन्हे बच्चों ने देशभक्ति, पारंपरिक राजस्थानी और पारिवारिक मूल्यों पर आधारित गीतों पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'साक्षरता' विषय पर आधारित एक प्रेरक नाटिका रही, जिसने शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्रों और अभिभावकों ने भी अपनी विविध प्रस्तुतियों से उत्सव की रौनक बढ़ाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वल्लभनगर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र सिंह जैन ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। अध्यक्षता करते हुए विज्ञान समिति के संस्थापक के.एल. कोठारी ने बच्चों को उज्वल भविष्य के लिए आशीर्वचन दिए। इससे पूर्व सोसायटी अध्यक्ष प्रकाश तातेड़ एवं सदस्य विनोद कच्छारा ने अतिथियों का स्वागत किया। अंत में विद्यालय की निदेशिका ममता तातेड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सिमरन और नमन डागलिया ने किया। रिपोर्ट/फोटो: प्रकाश तातेड, उदयपुर

श्रीनगर में उदयपुर के नाटक 'सिरफिरों का घर' ने जीता दिल; मानवीय मूल्यों का दिया संदेश

श्रीनगर (गढ़वाल). शाबाश इंडिया

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र एवं हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय 'हिमाद्रि नाट्य समारोह' के दूसरे दिन उदयपुर की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक कला एवं संस्कृति केंद्र के प्रेक्षागृह में मार्तण्ड फाउंडेशन, उदयपुर की ओर से नाटक 'सिरफिरों का घर' का शानदार मंचन किया गया।

मनोरंजन और संस्कारों का संगम

प्रसिद्ध रंगकर्मी विलास जानवे द्वारा निर्देशित 70 मिनट के इस नाटक ने मौलिक मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों को भी गहराई से रेखांकित किया। नाटक की कहानी एक परिवार (पिताः विलास जानवे, बेटाः मनीष शर्मा और माँः किरण जानवे) के इर्द-गिर्द घूमती है। अनुशासनप्रिय पिता और लापरवाह बेटे के बीच की नोकझोंक दर्शकों को गुदगुदाती है, वहीं माँ दोनों के बीच करुणा का सेतु बनकर संतुलन बनाती है। नाटक में नाट्यशास्त्र के नवरसों का कुशलता से समावेश किया गया है। एक दृश्य में महाराणा प्रताप और कुंवर अमरसिंह की ऐतिहासिक घटना का मंचन कर नारी सम्मान का अद्भुत संदेश दिया गया। अजमेर के सूबेदार अब्दुल रहीम खानखाना की बेगम को ससम्मान वापस भेजने के महाराणा के महान चरित्र ने खानखाना का हृदय परिवर्तन कर उसे सूफी बना दिया। खानखाना के दोहों को पुतली (कठपुतली) के माध्यम से प्रस्तुत करना मंच पर एक अनूठा नवाचार रहा।

कलात्मक प्रस्तुति

मंच के आगे और नेपथ्य (पर्दे के पीछे) के कलाकारों ने संगीत, मूकाभिनय, मुखौटों और कविता के संगम से प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया। उत्तम प्रकाश व्यवस्था और प्रभावी संगीत ने नाटक के रोमांच को अंत तक बांधे रखा। यह सुखांत नाटक आपसी मतभेदों को मिटाकर प्रेम से रहने की सीख देता है।

लेखन/निर्देशन/अभिनयः
विलास जानवे
अन्य कलाकारः
किरण जानवे, मनीष शर्मा, अमित मेनारिया और रेखा सिसोदिया
संगीतः समर्थ जानवे और भुवन शर्मा
मंच सज्जाः धर्मेश शर्मा
ध्वनि एवं प्रकाशः रेखा सिसोदिया और अमित मेनारिया

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
KM TRANS LOGISTICS द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
गुरुवार 12 मार्च 2025
प्रातः 9.30 से 3 बजे तक
Venue : KM TRANS LOGISTICS
1281/1285, Near Pushpraj Petrol Pump, Bhankrota, Jaipur-Ajmer Express Way
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
Coordinator:
DINESH SHARMA
(9414956111)
HR Jaipur Off.: 9929721821
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया
Vardhman Printers # 9314263204

अभिलाषा परिषद ने उल्लास से मनाया महिला दिवस

'गीत गाओ-मित्र बनाओ' पर जमी महफिल

कोटा. शाबाश इंडिया। अभिलाषा महिला परिषद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और संगीतमय समारोह का आयोजन किया गया। 'गीत गाओ और मित्र बनाओ' के मुख्य विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने असीम उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। परिषद की अध्यक्षा प्रियंका गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य महिलाओं को एक साझा मंच प्रदान करना और आपसी मैत्री भाव को सुदृढ़ करना था। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने अपनी पसंद के सुरीले गीत गाकर संपूर्ण वातावरण को आनंदमय बना दिया। सचिव विनीता राठी के अनुसार, महिला दिवस को यादगार बनाने के लिए विशेष सांस्कृतिक गतिविधियों का चयन किया गया था। समारोह के दौरान परिषद की ओर से सभी प्रतिभागी महिलाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। महिलाओं ने अपने जीवन के प्रेरक और सुखद संस्मरण एक-दूसरे के साथ साझा किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में लीना जैन, गगनदीप कौर, अंजली शर्मा, मोनिका जैन और रानू मेहता सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। हंसी-खुशी और आपसी स्नेह के बीच संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने नारी शक्ति और मित्रता का अनूठा संदेश दिया।

आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी संघ का श्री महावीर जी के लिए मंगल विहार

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी संघ का निवाई से अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के लिए मंगल विहार संपन्न हुआ। विहार में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। जैन समाज के संदेशवाहक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि भारत गौरव आर्यिका रत्न आदिमति माताजी की शिष्याओं ने निवाई के संत निवास नसियां जैन मंदिर में अल्प प्रवास के दौरान गहन धर्म साधना की। मंगलवार सुबह नसियां मंदिर से विहार प्रारंभ हुआ, जो अग्रवाल जैन मंदिर होते हुए झिलाय गांव स्थित औद्योगिक क्षेत्र पहुंचा।

श्रद्धालुओं ने की भावपूर्ण अगुवानी

विहार के दौरान पूर्व मुख्य सचेतक महावीर प्रसाद जैन के परिवार, नगरपालिका उप-प्रमुख जितेन्द्र चंवरिया, गजेन्द्र चंवरिया, ओम चंवरिया, और अन्य गणमान्य श्रावकों ने माताजी संघ के पाद प्रक्षालन कर भव्य अगुवानी की। श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ भावपूर्वक पूजा-अर्चना की और मंगल आरती उतारी। आर्यिका संघ यहां से विहार करते हुए जामडोली और बौंली के मार्ग से होकर श्री महावीर जी पहुंचेगा। इस अवसर पर शकुंतला छाबड़ा, गुणमाला चंवरिया और विजया टोंग्या सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल की सदस्याएं भी उपस्थित रहीं।

बावनगजा महामस्तकाभिषेक के लिए आचार्य समयसागर जी महाराज से लिया आशीर्वाद

धामनोद. शाबाश इंडिया। बावनगजा सिद्ध क्षेत्र के अध्यक्ष विनोद दोषी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने मुक्तागिरी तीर्थ पहुँचकर आचार्य समयसागर जी महाराज के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। प्रतिनिधि मंडल ने आचार्य श्री को आदिनाथ भगवान की 84 फीट ऊँची ऐतिहासिक प्रतिमा के जीर्णोद्धार की प्रगति और हाथकरघा उद्योग के संचालन की जानकारी दी। एशिया की सबसे विशाल पर्वत-उत्कीर्ण प्रतिमाओं में शुमार इस धरोहर के महामस्तकाभिषेक और पंचकल्याणक महोत्सव के लिए संघ सहित सानिध्य प्रदान करने का निवेदन किया गया। महोत्सव की संभावित तिथियों 22 से 27 जनवरी 2027 पर चर्चा के दौरान आचार्य श्री ने मौन रूप से अपनी स्वीकृति प्रदान की, जिससे निमाड़-मालवा सहित देशभर के श्रद्धालुओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। विदित हो कि विश्व स्तर पर महामस्तकाभिषेक केवल कर्नाटक के श्रवणबेलगोला और मध्यप्रदेश के बावनगजा में ही आयोजित होता है। इस अवसर पर तीर्थ क्षेत्र के मीडिया प्रभारी मनीष जैन, दीपक प्रधान, प्रबंधक इंद्रजीत मंडलोई सहित बड़वानी, मनावर, बड़वाह, अंजड़ और धामनोद क्षेत्र के अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे।

मानसरोवर में 'नारी शक्ति सम्मान' समारोह संपन्न: महिलाओं के योगदान को मिला गौरव

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला महासमिति मानसरोवर प्रथम संभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को 'नारी शक्ति सम्मान' के रूप में भव्यता के साथ मनाया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं के अद्वितीय योगदान को रेखांकित करना और उन्हें सशक्त बनाना रहा।

सम्मान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुशीला टोंग्या, मिथलेश गोधा एवं शशिसेन जैन द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी भगवंती देवी को उनके अमूल्य सामाजिक योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण नारी सशक्तिकरण पर आधारित एक 'हास्य नाटिका' रही, जिसने अपनी प्रस्तुति और उत्साहपूर्ण नारों से सभी का मन मोह लिया। मनोरंजन के लिए बौद्धिक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। अध्यक्षा तारामणि गोधा एवं मंत्री मीनू गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान अंचल की वंदना, विधुत लुहाड़िया, चंद्रकांता छाबड़ा एवं हीरा मणि छाबड़ा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

राजवंश सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बरकत नगर एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

गुरुवार 12 मार्च 2026
प्रातः 9 से 12 बजे तक

स्थान : राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल
बरकत नगर, गली न. 8, टोंक फाटक

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

राजवंश सीनियर सैकण्डरी स्कूल
निदेशक : श्रीमती सीता चौहान
सचिव : श्री अनिमेष चौहान
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक
अध्यक्ष : डॉ. इन्द्र कुमार जैन -स्नेहलता जैन
सचिव : नवल-सुनीता जैन
कोषाध्यक्ष : मुकेश-कल्पना शाह

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

मानसरोवर में शिव महापुराण कथा की तैयारियां तेज

पुलिस के उच्चाधिकारियों ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर में आयोजित होने वाली भव्य श्री शिव महापुराण कथा को लेकर आज वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कथा स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। लाखों की संभावित भीड़ और सुरक्षा मानकों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आयोजन समिति के साथ समन्वय बैठक की।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार, पुलिस उपायुक्त राज ऋषि राज, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) बज्रंग सिंह शेखावत, डीआईजी (यातायात) योगेश दाधीच, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य ककड़े, थाना अधिकारी महेंद्र यादव एवं कैलाश मीणा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने कथा स्थल की क्षमता, प्रवेश एवं निकास द्वारों, पार्किंग और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

आयोजन समिति से संवाद

इस अवसर पर कथा के मुख्य व्यवस्थापक अखिलेश अत्री, प्रशासक मनोज पांडे, आयोजन समिति के प्रभु नारायण गुप्ता, सुशील शर्मा, एडवोकेट अनिल शर्मा और

अशोक सरना ने पुलिस प्रशासन को अब तक की तैयारियों से अवगत कराया।

भव्य कलश यात्रा और कथा का समय

विदित हो कि मानसरोवर में 15 मार्च को एक विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लगभग 11,000 महिलाओं के शामिल होने का लक्ष्य है। इसके पश्चात 20 से 26 मार्च तक सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से शिव महापुराण कथा का वाचन होगा। आयोजन में उमड़ने वाले जनसैलाब को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी विशेष मार्ग योजना (रूट चार्ट) तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

गणनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में दीक्षार्थियों की गोद भराई संपन्न

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। शास्त्री नगर स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गणनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के पावन सानिध्य में मूलनायक भगवान सुपार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रावकों ने सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया।

अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य

प्रातः काल की बेला में महावीर प्रसाद, नवीन, लोकेश काला और महुआ परिवार को मूलनायक भगवान पर शांतिधारा करने का पुण्य अवसर प्राप्त हुआ। मांगलिक क्रियाओं के पश्चात माताजी के मंगल प्रवचन हुए।

जीवन जीने की कला और मोक्ष मार्ग

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य को हर कार्य विधिपूर्वक और सकारात्मक सोच के साथ करना चाहिए, यही जीवन जीने की सच्ची कला है। वहीं, विविक्तमति माताजी ने दीक्षार्थी बहनों के वैराग्य की सराहना करते हुए कहा कि वे मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हैं, जिससे निश्चित ही उनका आत्म-कल्याण होगा। समाज के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल ने बताया कि सुधा सागर संयम भवन में समाज के महिला-पुरुषों ने दीक्षार्थी बहनों की बारी-बारी से गोद भराई कर मंगल कामनाएं कीं। उन्होंने जानकारी दी कि इन वैरागी बहनों की दीक्षा आगामी 6 मई 2026 को आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी (दतिया) में संपन्न होगी। इस अवसर पर सोहनलाल गंगवाल, माणकचंद बाकलीवाल, राजकुमार बड़जात्या, अशोक छाबड़ा, वृद्धि चंद बड़जात्या और निर्मल जैन सहित अनेक गणमान्य धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

शांति नोबल अभिलाषी

युग निर्माता ने क्यों सृष्टि बनाई..?
असि, मसि, कृषि और शिल्प सिखाया,
अंक और लिपि की समझ विकसित कराई।

पशुवत जीवन जीते थे हम इस जग में, आपने संस्कार सिखलाए,
कर्म और कला का बोध नहीं था, आपने समस्त ज्ञान सिखाए।
धूल से धूसरित था यह मानव, जिसे आपने स्वर्ग के सुख दिलवाए,
षटरस व्यंजन, आनंद और प्रमोद से, तृप्ति का बोध कराया।

प्रभु! आपने सोचा होगा कि यह वसुधा स्वर्ग बनेगी,
स्नेह, प्रेम, सहयोग और मैत्री, हर मन में विकसित होगी।
सभी चराचर प्राणी मिल-जुलकर, नित्य ही प्रगति करेंगे,
नंदनकानन से भी अनुपम, अपनी इस धरा को करेंगे।

किंतु, जो 'सृजनामृत' आपने दिया, उसे हमने विष कर डाला,
हिंसा, हत्या और रक्तपात से, इस भू-मंडल को भर डाला।
अबोध शिशु, प्यारी बेटियाँ और नारी आज सिसक रही हैं,
व्यथित और दुखी है यह जगत, जहाँ खुशियाँ सिमट रही हैं।

विश्व के नायक आज आग उगलकर, अट्टहास करते हैं,
शांति के 'नोबल' अभिलाषी ही, यहाँ रक्तपात रचते हैं।
बलूच, पाक और अफगान धधक रहे, यूक्रेन-रूस लड़ रहे हैं,
इजराइल, गाजा, ईरान और कुवैत, आज मिट रहे और मर रहे हैं।

प्रभु के वरदानों को भूलकर, हम विनाश के पथ पर अग्रसर हैं,
करुणा और प्रेम के दाता के गुणों को, आज हम बिसरा चुके हैं।
जन्मकल्याणक के इस पावन दिन पर, हर मन से यही विनती है—
पीड़ा और वेदना का शमन हो, और हृदय में सेवा व करुणा पनपे।

रचनाकारः इंजी. अरुण कुमार जैन
संपर्क : अमृता चिकित्सालय, सेक्टर 88, फरीदाबाद, हरियाणा।
दूरभाषः 7999469175

ओसवाल सभा का महिला स्वास्थ्य सुरक्षा और जागरूकता अभियान जारी

200 से अधिक महिलाओं ने कराई जाँच

उदयपुर. शाबाश इंडिया। ओसवाल सभा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'महिला स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। 8 से 15 मार्च तक चलने वाले इस साप्ताहिक अभियान के अंतर्गत आचार्य तुलसी रोग निदान एवं दंत चिकित्सा केंद्र पर महिलाओं को विशेष चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं।

किफायती जाँच और नि:शुल्क परामर्श

ओसवाल सभा के अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने बताया कि केंद्र पर महिलाओं की विभिन्न रक्त जाँचें (जैसे थायराइड, आयरन, कैल्शियम, शुगर और विटामिन बी-12) मात्र 499 रुपये के रियायती शुल्क पर की जा रही हैं। अनुभवी चिकित्सक विजय कुमार पुरोहित द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं अभिजीत सेठिया व रितिका बाघेला द्वारा दांतों की लाइव स्क्रीनिंग और उपचार की सलाह दी जा रही है। सभा की सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने जानकारी दी कि अब तक 200 से अधिक महिलाएं इस अभियान का लाभ उठा चुकी हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्व पंजीकरण की अनिवार्यता और संख्या की सीमा को हटा दिया गया है। अब महिलाएं सीधे केंद्र पर पहुँचकर अपना पंजीकरण और जाँच करवा सकती हैं।

जयपुर के 250 मंदिरों में गूंजेगा आदिनाथ का जयघोष; जन्म कल्याणक पर होंगे भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव 12 मार्च, गुरुवार को गुलाबी नगरी में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इस पावन अवसर पर शहर के 250 से अधिक दिगंबर जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, शोभायात्रा और महामंडल विधान जैसे विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

शोभायात्रा और विशेष पूजा-अर्चना

महोत्सव का मुख्य आकर्षण भव्य शोभायात्राएँ होंगी। बोरडी का रास्ता स्थित पाटोदी मंदिर में प्रातः 7:15 बजे ध्वजारोहण के पश्चात 8:15 बजे भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी। इसी प्रकार चौड़ा रास्ता स्थित यति यशोदा नन्द जी मंदिर से भी विशाल शोभायात्रा का आयोजन होगा। दोपहर में विभिन्न मंदिरों में आदिनाथ विधान एवं भक्तामर स्तोत्र की सामूहिक दीप अर्चना की जाएगी।

भट्टारक जी की नसियां में महाअनुष्ठान

सायंकाल राजस्थान जैन सभा, जयपुर के तत्वावधान में भट्टारक जी की नसियां में एक विशाल दीप अर्चना का आयोजन होगा। अध्यक्ष सुभाष चंद्र जैन एवं महामंत्री मनीष बैद के नेतृत्व में '48 मंडलीय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना' अनुष्ठान संपन्न होगा। मुख्य संयोजक सुभाष बज ने बताया कि इस आयोजन में शहर की 48 कॉलोनियों के हजारों श्रद्धालु सम्मिलित होकर भक्ति रस का आनंद लेंगे। महोत्सव की पूर्व संध्या, आज 11 मार्च को भी अनेक मंदिरों में भक्ति संध्या और दीप आरती के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।